राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 305 | जौनपुर | बुधवार, 25 जून 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

जिला पंचायत राज अधिकारी को दी गयी विदाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर –जनपद में लगभग दो वर्षों से कार्यरत रहे जिला पंचायत राज अधिकारी नत्थू लाल गंगवार को बुधवार को विदाई दी गयी ।उनका स्थानांतरण जिला पंचायत राज अधिकारी रामपुर जनपद के पद पर हुआ ।विदाई समारोह में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि नत्थू लाल गंगवार की कार्य शैली इस जनपद में काफी लोक प्रिय रही है। इनके द्वारा जनपद के लिए किये गये तमाम कार्यों को हम सभी लोग हमेशा याद करते रहेंगे। वक्ताओं ने यह भी कहा कि आपके द्वारा कम दिनों में जनपद के लिए तमाम सराहनीय कार्य किये गये ।हम सभी लोगों को हमेशा आप की याद आता रहेगा ।विदाई समारोह में दीपक पटेल,अरविन्द कुमार पटेल,बृजमणि पटेल,सन्त विश्वकर्मा सहित समस्त कर्मचारी एवं स्टाफ मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

काला राणा गिरोह का कुख्यात शूटर रोमिल वोहरा ढेर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के माड़ी इलाके में दिनांक 23-24 जून की मध्यरात्रि को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट और हरियाणा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान कुख्यात अपराधी रोमिल वोहरा के साथ जमकर मुठभेड़ हुई. दिल्ली पुलिस और हरियाणा पुलिस के द्वारा की गई ये संयुक्त कार्रवाई दिल्ली– हरियाणा सीमा के पास डेरा मंडी इलाके में उस वक्त की गई जब हरियाणा पुलिस से मिली सूचना के आधार पर स्पेशल सेल ने कुख्यात अपराधी पर चौकसी बढ़ाई थी. मिली जानकारी के अनुसार , 23 और 24 जून की दरम्यानी रात को दिल्ली पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नामी काला राणा–नोनी राणा गैंग का सक्रिय शूटर रोमिल वोहरा दिल्ली में मौजूद है. मामले की गंभीरता को देखते हुए और गुप्त सूचना के आधार पर सुबह के शुरुआती घंटों में जब पुलिस ने संदिग्ध इलाकों में तलाशी अभियान चलाया, तो एक मुखबिर की मदद से रोमिल की पहचान हुई. जैसे ही दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम और हरियाणा पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की, कुख्यात अपराधी रोमिल ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी और भागने की कोशिश की. जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में गोली चलाई. अपराधी और पुलिस की इस मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी एसआई प्रवीण और एसआई रोहन और रोमिल घायल हो गए. तीनों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।

गोलियों की गूंज से दहली दिल्ली मोबाइल लूटकर मर्डर करने वाला बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)।नॉर्थ दिल्ली इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है. जिसमें पुलिस और बदमाशों के बीच कई राउंड गोलियां भी चली. पुलिस ने बीतों दिनों अशोक विहार में हुई लूट और मर्डर केस में फरार चल रहें आरोपी को पकड़ने में कामयाबी हालिस हुई. बताया जा रहा है कि बदमाश के पैर में गोली लगी है. जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है.। उत्तर–पश्चिम जिले के वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में सोमवार रात एक बड़ी मुठभेड़ के दौरान स्पेशल स्टाफ की टीम ने अशोक विहार मर्डर केस में वांटेड चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. यह मुठभेड़ प्रेमबाड़ी पुल के पास नहर के किनारे हुई, जहां पुलिस और बदमाशों के बीच तीन राउंड फायरिंग हुई. इंस्पेक्टर सोमवीर सिंह के नेतृत्व में स्पेशल स्टाफ की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी इस इलाके में आने वाला है. टीम ने इलाके में जाल बिछाया और जैसे ही बदमाश मौके पर पहुंचा, पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। . जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली बदमाश के पैर में लगी, जिसके बाद उसे काबू में किया गया. आरोपी पर आरोप है।

भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के दो महानतम आध्यात्मिक और नैतिक नेताओं श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी जिक्र किया। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि कैसे भारत ने 22 मिनट में दुश्मनों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया ने हाल ही में ये भी देखा है कि भारत का सामर्थ्य क्या है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की कठोर नीति को दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है। हमने दिखा दिया है कि भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। आज का भारत देशहित में जो भी सही है उसके हिसाब से कदम उठाता है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्आज ये परिसर देश के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को याद करने का साक्षी बन रहा है। एक ऐसी ऐतिहासिक घटना, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी, बल्कि स्वतंत्रता के उद्देश्य को नए मायने दिए। 100 साल पहले श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी की वो मुलाकात आज भी उतनी की प्रेरक है, उतनी ही प्रासंगिक है। विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए ऊर्जा के स्रोत की तरह प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 100 साल पहले वो मुलाकात, सामाजिक समरसता के लिए, विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के स्रोत की तरह है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं श्री नारायण गुरु को नमन करता हूं और महात्मा गांधी जी को भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। सभी जानते हैं कि समाज के शोषित, पीड़ित,वंचित वर्ग से मेरा क्या नाता प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी है। जो लोग देश और समाज की सेवा के संकल्प पर काम करते हैं श्री नारायण गुरु उनके लिए प्रकाश स्तंभ की तरह हैं। आप सभी जानते हैं कि समाज के शोषित, पीड़ित,वंचित वर्ग से मेरा क्या नाता है और इसलिए आज भी जब मैं समाज के शोषित, पीड़ित,वंचित वर्ग के लिए निर्णय लेता हूं तो मैं गुरु देव को जरूर याद करता हूं। पीएम मोदी ने कहा, श्भारत की विशेषता है कि हमारा देश जब भी मुश्किलों के भंवर में फंसता है, तो कोई न कोई महान विभूति देश के किसी कोने में जन्म लेकर समाज को नई दिशा दिखाता है। कोई समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करता है, तो कोई सामाजिक क्षेत्र में समाज सुधारों को गति देता है। श्री नारायण गुरु ऐसे ही महान संत थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्अभी हाल ही में हमने विश्व योग दिवस मनाया। इस बार योग दिवस की थीम थी– वन अर्थ, वन हेल्थ यानी एक धरती एक स्वास्थ। इससे पहले भी भारत ने विश्व कल्याण के लिए वन वर्ल्ड, वन हेल्थ जैसे पहल की है। आज भारत सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड जैसे ग्लोबल मूवमेंट को लीड कर रहा है। 2023 में जब भारत ने ळ20 समिट को लीड किया था, तब थीम रखा था– ववन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर। हमारे इन प्रयासों में वसुधैव कुटुंबकम की धारणा जुड़ी हुई है।

भागवत कथा सबके लिए है जब सुन सकते हैं तो सुना क्यों नहीं सकते : अखिलेश यादव

लखनऊ, (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कुछ वर्चस्ववादी लोग कथावाचन में अपना एकाधिकार बनाए रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इटावा में कथावाचक की पिटाई कांड इन्हीं प्रभुत्वशाली लोगों की वजह से ही हुआ है। अगर सभी लोग भागवत कथा सुन सकते हैं तो सुना क्यों नहीं सकते हैं? अगर सच्चे कृष्ण भक्तों को भागवत कथा कहने से रोका जाएगा तो कोई ये अपमान क्यों सहेगा? उन्होंने कहा कि प्रभुत्ववादी लोग ये घोषित करें कि पीडीए द्वारा दिया गया दान और चढ़ावा कभी स्वीकार नहीं करेंगे। अखिलेश यादव मंगलवार को सपा मुख्यालय में कथावाचक की पिटाई मामले पर बोल रहे थे। बता दें कि इटावा में कथावाचक की जाति पूछने के बाद पिटाई, बाल काटने और महिला के पैर पर नाक

रगड़वाने का वीडियो वायरल होने के बाद राजनीति तेज हो गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार हृदयहीन और अलोकतांत्रिक है। अगर निष्पक्ष कार्रवाई करने लगे तो बहुत सी घटनाएं नहीं होंगी। अगर बाबा साहब के संविधान और प्रस्तावना के तहत ही फैसला लिया जाए तो गरीब और गांव में रहने वाले लोगों का और अल्पसंख्यकों का सम्मान होने लगे। भाजपा सरकार में पीडीए वर्ग के लोगों को न्याय से वंचित किया जा रहा है। वर्चस्ववादी ताकतें पीडीए का अपमान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर पीडीए का कोई व्यक्ति मंदिर चला जाए तो ये उसे गंगाजल से धोते हैं। वर्चस्ववादी लोगों को सरकार का आशीर्वाद है जिसके कारण वो लोग ऐसा कर रहे हैं। समाज में समानता और सम्मान की लड़ाई जारी रहेगी।

राहुल ने फिर उठाया चुनावों में अनियमितताओं का मुद्दा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2024 के महाराष्ट्र चुनावों में धांधली के उनके आरोपों पर औपचारिक रूप से पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि सभी चुनाव संसद की ओर से पारित कानूनों और नियमों के अनुसार सख्ती से कराए जाते हैं। चुनाव आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि पूरे चुनाव अभ्यास में हजारों लोगों को शामिल किया जाता है, जिसमें राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बूथ–स्तरीय एजेंट भी शामिल हैं। एक प्रमुख दैनिक में उनके लेख के जवाब में 12 जून को राहुल गांधी को ईमेल किए गए एक पत्र में चुनाव आयोग ने कहा कि पूरी चुनाव प्रक्रिया विधानसभा क्षेत्र स्तर पर विकेंद्रीकृत तरीके से आयोजित की जाती है। इसमें

आयोग की ओर से नियुक्त 1,00,186 से अधिक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), 288 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 139 सामान्य पर्यवेक्षक, 41 पुलिस पर्यवेक्षक, 71 व्यय पर्यवेक्षक और 288 रिटर्निंग अधिकारी (आरओएस) शामिल होते हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में कांग्रेस के 28,421 सहित राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों की ओर से 1,08,026 बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए गए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता से कहा गया, श्हमारा मानना है कि चुनाव संचालन से संबंधित कोई भी मुद्दा कांग्रेस उम्मीदवारों की ओर से सक्षम न्यायालय (उच्च न्यायालय) में दायर चुनाव याचिकाओं के माध्यम से पहले ही उठाया जा चुका होगा ।श चुनाव प्राधिकरण ने कहा, श्यदि आपके पास अभी भी कोई मुद्दा है, तो आप हमें लिख सकते हैं और आयोग सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि और समय पर आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए भी तैयार है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कथित अनियमितताओं का दावा करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि कुछ गड़बड़ियां नहीं थीं, बल्कि वोटों की चोरी थी। उन्होंने मशीन–पठनीय डिजिटल मतदाता सूची के साथ–साथ सीसीटीवी फुटेज को तुरंत जारी करने की मांग की। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया था।

चीन में आतंकवाद पर अपनी बात रखेंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठकों के लिए चीन की यात्रा पर जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि सिंह के 25–27 जून तक कध्गिदाओ की यात्रा करने की संभावना है, जबकि डोभाल के 24–26 जून तक चीन की यात्रा पर जाने की संभावना है। इस साल मई में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य शत्रुता के बाद सिंह और डोभाल की अपने चीनी समकक्षों के साथ यह पहली बैठक होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को चीन

के किंगदाओ में शुरू होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के दो दिवसीय सम्मेलन में आतंकवाद और उग्रवाद को खत्म करने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ाने पर जोर देंगे। सिंह सम्मेलन के लिए चीन के पूर्वी शांदोंग प्रांत के बंदरगाह शहर किंगदाओ की यात्रा कर रहे हैं, जहां क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य पर विचार–विमर्श होने की उम्मीद है। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध के बाद संबंधों में गंभीर तनाव पैदा होने के बाद से यह किसी वरिष्ठ भारतीय मंत्री की चीन की पहली यात्रा है। एक आधिकारिक वक्तव्य के अनुसार, सिंह के एससीओ के सिद्धांतों के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करने, वृहद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में भारत के दृष्टिकोण पर जोर देने और क्षेत्र में आतंकवाद और उग्रवाद को खत्म करने के लिए संयुक्त और सतत प्रयासों का आह्वान करने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि रक्षा मंत्री एससीओ के भीतर अधिक व्यापार, आर्थिक सहयोग और संपर्क की आवश्यकता पर भी जोर दे सकते हैं। वह चीन और रूस सहित कुछ भागीदार देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''भारत क्षेत्र में बहुपक्षवाद, राजनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच आपसी संपर्क को बढ़ावा देने में एससीओ को विशेष महत्व देता है।'' इसमें कहा गया है कि एससीओ संप्रभुता, राष्ट्रों की क्षेत्रीय अखंडता, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने, आपसी सम्मान, समझ और सभी सदस्य देशों की समानता के सिद्धांतों के आधार पर अपनी नीति का पालन करता है। अपनी चर्चाओं में, दोनों पक्षों ने भारत–चीन द्विपक्षीय संबंधों में हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा की और दोनों देशों के बीच समग्र संबंधों को आगे बढ़ाने के महत्व की पुष्टि की। आपसी समझ बनाने और कूटनीतिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए लोगों के बीच अधिक से अधिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। एनएसए डोभाल ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से निपटने के लिए ठोस प्रयासों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया।

मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक संपन्न हुई

वाराणसी, (एजेंसी)। वाराणसी जिले में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक मंगलवार को संपन्न हुई। इस दौरान अमित शाह ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में चार राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल रहे। इनमें यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, मप्र के सीएम मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव मौजूद रहे। बैठक के बाद सभी ने साथ में लंच किया। कुछ देर में शाह बाबतपुर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। नदेसर स्थित ताज होटल में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की

अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक हुई। बैठक में सामाजिक विकास, परिवहन सीमा विवाद, कानून व्यवस्था, पर्यावरण और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में उन मुद्दों पर भी चर्चा हुई जो बिना केंद्र की सहायता के मुद्दे राज्य सुलझा नहीं सकते हैं। इसमें राज्य की संपत्ति, पानी विवाद या सीमा विवाद से जुड़े मामले भी हो सकते हैं। इसके अलावा सामाजिक विकास, पर्यावरण, कानून व्यवस्था समेत कई अन्य मुद्दों पर भी बात की गई।

दिल्ली में बिजनेस खोलना और चलाना हुआ आसान, पुलिस से वापस ली गई 7 लाइसेंसी शक्तियां

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अब राष्ट्रीय राजधानी में भोजनालयों, डिस्कोथेक और मनोरंजन पार्कों के व्यवसाय मालिकों और प्रतिष्ठानों को परिचालन गतिविधि के लिए दिल्ली पुलिस से लाइसेंस प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होगी। राष्ट्रीय राजधानी के व्यवसाय मालिकों ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए दिल्ली पुलिस लाइसेंस की आवश्यकता को समाप्त करने के फैसले का स्वागत किया है और इसे लालफीताशाही से बड़ी राहत बताया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे दिल्ली के लिए एक "ऐतिहासिक" लोक कल्याणकारी आदेश बताते हुए, सीएम ने कहा कि यह नया निर्णय प्रक्रिया को सरल बनाएगा, समय और लागत की बचत करेगा और राजधानी में व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि इन व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पुलिस लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होगी, फिर भी उन्हें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली

छावनी बोर्ड से अनुमति के लिए आवेदन करना होगा। गुप्ता ने कहा, ष्यह दिल्ली के लोगों और व्यापारिक समुदाय की 40 साल से भी अधिक समय से लंबित मांग थी। करीब 25,000 प्रतिष्ठानों में देरी हो रही थी और उनसे जुड़े करीब 10 से 20 लाख लोग इस सार्वजनिक प्रबंधन बाधा के कारण परेशान थे। यह आज खत्म हो गया।ष मुख्यमंत्री ने कहा, ष्दोहरी लाइसेंसिंग से पहले इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा होती थी कि कौन क्या करेगा। इस सुधार के साथ हम पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए एकल खिड़की प्रणाली ला रहे हैं। यह दोहरी इंजन वाली सरकार का लाभ है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पुलिस को व्यवसायों को लाइसेंस जारी करने की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिए जाने से अब दिल्ली पुलिस को अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा जैसे अपने मूल कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करने के गुप्ता ने यह भी कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पुलिस पर व्यवसाय लाइसेंस जारी ।

शशि थरूर ने कर दिया साफ, बीजेपी में नहीं हो रहा शामिल

शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और जुड़ने की इच्छा की प्रशंसा करते हुए उनकी टिप्पणी भारत के आउटरीच मिशन की सफलता के संदर्भ में थी। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि उनकी टिप्पणी प्रधानमंत्री की पार्टी में शामिल होने के लिए उनके संकेत नहीं हैं, जैसा कि कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है। थरूर ने कहा, ष्यह एक ऐसा लेख है जिसमें मैंने इस आउटरीच मिशन की सफलता का वर्णन किया है, जो सभी दलों की एकता को दर्शाता है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद अन्य देशों के साथ बातचीत में गतिशीलता और ऊर्जा का प्रदर्शन किया है। भाजपा की विदेश नीति या कांग्रेस की विदेश नीति जैसी कोई चीज नहीं है। केवल भारतीय विदेश नीति है। थरूर ने कहा, ष्मैंने यह बात 11 साल पहले कही थी, जब मुझे संसद

की विदेश मामलों की समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।ष उन्होंने कहा, ष्यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी में शामिल होने का मेरा संकेत नहीं है। यह राष्ट्रीय एकता का संदेश है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा, उनका बहुआयामी व्यक्तित्व और संवाद की तत्परता वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक ''अहम पूंजी'' बनी हुई है, लेकिन इसे अधिक सहयोग एवं समर्थन की जरूरत है। उनकी यह टिप्पणी एक बार फिर कांग्रेस को असहज स्थिति में डाल सकती है तथा पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंधों में दरार और गहरी हो सकती है। प्रधानमंत्री के लिए थरूर की प्रशंसा ऐसे समय आई है जब कांग्रेस विदेश नीति को लेकर मोदी सरकार पर निरंतर हमले कर रही है और आरोप लगा रही है कि भारतीय कूटनीति चरमरा गई है और देश विश्व स्तर पर ''अलग–थलग'' पड़ गया है। थरूर ने अंग्रेजी दैनिक 'द हिंदू' के लिए लिखे एक लेख में कहा कि ''ऑपरेशन सिंदूर'' के बाद किया गया राजनयिक संपर्क राष्ट्रीय संकल्प और प्रभावी संवाद का क्षण था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर थरूर के इस लेख को साझा किया और कहा, लोकसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. शशि थरूर लिखते हैं ''ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित वैश्विक पहुंच से सबक।''

संपादकीय

विपक्ष को खुशी

भारतीय विपक्ष, जिसे इंडिया गठबंधन के रूप में बिखराव की स्थिति में माना जा रहा था, उसने गत उन्नीस जून को हुए उपचुनावों में, पांच में से चार सीटें जीत ली हैं। भाजपा पांच राज्यों में से सिर्फ एक सीट जीत सकी है। सबसे बड़ी उपलब्धि आप को हासिल हुई है, जिसने न केवल पंजाब की प्रतिष्ठित लुधियाना सीट जीती बल्कि मोदी–शाह के गढ़ में भी एक महत्वपूर्ण सीट जीतने में कामयाबी हासिल की है। गुजरात की विसावदर सीट जीती है, उस राज्य में जहां भाजपा तीन दशक से सत्ता में है। आप विधायक द्वारा पार्टी बदलने के बाद भाजपा को उम्मीद थी कि सीट उसकी झोली में आएगी, लेकिन आप ने इस झटके से उबरकर भाजपा उम्मीदवार को पराजित किया। उल्लेखनीय है कि 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में आप ने पांच सीटें जीतकर भाजपा शासित राज्य में अपनी स्थिति मजबूत की थी। आमतौर पर उपचुनाव सत्तारूढ़ दल की पार्टी ही जीतती रही है, जैसा कि पंजाब में लुधियाना पश्चिम सीट आप ने तथा पश्चिम बंगाल में कालिगंज सीट तृणमूल कांग्रेस ने जीती हैं। वहीं केरल में उलट–फेर करते हुए कांग्रेस गठबंधन सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक गठबंधन यानी एलडीएफ से नीलाम्बुर सीट छीनने में सफल रहा। ऐसे समय में यह चिंता की बात है जब विधानसभा चुनाव में एक साल से कम समय रह गया है। यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस पार्टी गुटबाजी से जूझ रही है। हाई–प्रोफाइल और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने आरोप लगाया था कि उन्हें चुनाव प्रचार के लिये पार्टी ने आमंत्रित नहीं किया था। लेकिन पार्टी का कहना है कि वे स्टार अभियान चलाने वालों में सूचीबद्ध रहे हैं। दरअसल, थरूर के पार्टी हाईकमान से उस समय मतभेद उजागर हुए थे जब उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का पक्ष रखने के लिये विदेशों में चलाए गए बहु–पार्टी अभियान में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। भविष्य बताएगा कि आसन्न विधानसभा चुनाव के मद्देनजर थरूर को कांग्रेस कैसे संभालती है। बहरहाल, केरल व पश्चिम बंगाल के उपचुनावों की विफलता ने भाजपा को परेशान जरूर किया होगा। जो इन विपक्ष के अंतिम गढ़ों में सत्ता की बाट जोह रही है। हालांकि, उस भाजपा को कमतर आंकना भूल होगी, जो हर बाधा को पार करने की कला जानती है। बहरहाल, पंजाब में आप ने लुधियाना पश्चिम सीट जीतकर कई समीकरण साधे हैं। यह जीत सिर्फ मध्यावधि चुनाव की जीत नहीं है बल्कि पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भी आम आदमी पार्टी का हौसला बढ़ाने वाली जीत है। आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की कांग्रेस के अनुभवी नेता भारत भूषण आशु पर 10,637 मतों की निर्णायक जीत शहरी क्षेत्रों में आप की पकड़ को दर्शाती है। ये सीट कभी कांग्रेस–भाजपा का गढ़ मानी जाती थी, यहां हिंदू मतदाताओं और कारोबारी बिरादरी का वर्चस्व रहा है। आप द्वारा समय पर पार्टी प्रत्याशी के चयन व घोषणा का लाभ पार्टी को मिला। अरोड़ा राजनीति में नवागंतुक के रूप में भी साफ–सुथरी पृष्ठभूमि और औद्योगिक अनुभव के साथ एक विश्वसनीय चेहरे के रूप में चुनाव में उतरे। जिसका लाभ पार्टी को मिला। यही वजह है कि पार्टी कार्यकर्ताओं के ऊर्जावान चुनाव अभियान से कम मतदान वाले चुनाव में भी पार्टी को जीत मिली। वहीं अनुभवी कांग्रेसी नेता आशु पर राजनीतिक विवाद भारी पड़े।

फेक नैरेटिव के दौर में सिसकती इंसानियत

क्षमा

इस्राइल–ईरान युद्ध के खात्मे का इंतजार दुनिया को था कि विश्व का दरोगा अमेरिका इसमें कूद पड़ा। दुनिया पहले ही रूस–यूक्रेन युद्ध से परेशान थी, इस बीच भारत–पाकिस्तान के बीच भी कुछ दिनों का युद्ध हो चुका था। अमेरिका का कहना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम दुनिया के लिए खतरा है। ईरान पर बम बरसाने से पहले अमेरिका ने धमकी भी दी थी कि

वह फौरन इसे रोके। यह बात बिल्कुल ठीक है कि परमाणु अस्त्र पूरी मानवता के लिए आफत की तरह हैं। जापान के हिरोशिमा–नागासाकी पर जो बम गिराए गए थे, उनकी विनाशक क्षमता आज के परमाणु हथियारों के मुकाबले बहुत कम थी। तब भी जापान ने इसे दशकों तक भुगता। आज तो ऐसे हथियार हैं, जो पल भर में दुनिया को खत्म कर सकते हैं। ऐसे में हे अमेरिकियों, जितने मारक हथियारों के जखीरे आपके पास हैं, दूसरे देशों को उपदेश देने से पहले, उन्हें नष्ट क्यों नहीं कर देते। क्या वे दुनिया के लिए खतरा नहीं हैं३. या कि उसी तर्क पर चलते हो कि जबरा मारे और रोने भी न दे। जब अमेरिका के खिलाफ ये बातें की जा रही हैं, तब इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि ईरान का पक्ष लिया जा रहा है। मानव अधिकारों के मामले में ईरान की स्थिति कोई अच्छी नहीं है। दशकों पहले जब ईरान के इस्लामिक आंदोलन ने शाह रजा पहलवी को खदेड़ दिया था और पेरिस में निर्वासित जीवन बिताने वाले खोमेनी को हाथो हाथ लिया था, तब की याद आती है। खोमेनी के पक्ष में वहां जो युवा शाह के खिलाफ आंदोलन चला रहे थे, उनमें से बहुत से खुद को इस्लामिक मार्क्सिस्ट कहते थे। जब खोमेनी पेरिस से लौटे, तो उनकी कार को कंधे पर उठा लिया गया था। बाद में सबसे पहले खोमेनी ने इन्हीं इस्लामिक मार्क्ससिस्ट कहने वाले लोगों को सरेआम मौत के घाट उतरवाया था। शाह ने स्त्रियों को घर की चारदीवारी से निकाला था, उन्हें आत्मनिर्भरता की राह दिखाई थी, खोमेनी ने उन्हें वापस सदियों पहले की स्थिति में धकेल दिया। अब वहां स्त्रियां अपने आप कुछ नहीं कर सकतीं। न बैंक अकाउंट खोल सकती हैं, न बिना माता–पिता की लिखित अनुमति के पढ़ सकती हैं, न नौकरी कर सकती हैं। न शादी ही। सिर से हिजाब जरा–सा खिसका नहीं कि आफत आई नहीं। अफगानिस्तान की तरह ही वहां भी स्त्रियों को मामूली मानव अधिकार नहीं हैं। इसे धर्म और हमारी संस्कृति कहकर रफा–दफा कर दिया जाता है। लेकिन अमेरिका जिसका ट्रेक रिकॉर्ड दुनिया भर के तानाशाहों को पालना–पोसना रहा है, वह मनमाने तरीके से मानव अधिकारों की व्याख्या करता है। चाहे डेमोक्रेट्स हों या रिपब्लिकंस, उनकी नजर सिर्फ अपने यहां पूंजीपतियों के हितों को देखने की होती है। मानव अधिकार आदि की बातें तो दुनिया को दिखाने के लिए होती हैं। इस सिलसिले में जान पर्किन्स की मशहूर पुस्तक 'कन्फेशन्स ऑफ ऐन इकोनॉमिक हिटमैन' पढ़ी जा सकती है। जान खुद इकोनामिक हिटमैन रहे हैं यानी कि दूसरे देशों में अमेरिकी पूंजीपतियों के हितों को हर हाल में संरक्षित करने वाले। फिर दूसरा देश अपने यहां क्या करना चाहता है, इसमें दखल देने वाले आप कौन हैं। अमेरिका अपने यहां कौन से हथियार विकसित कर रहा है, यदि किसी दूसरे देश को यह बात पसंद न आए तो क्या वह अमेरिका पर उसी तरह हमला कर दे, जैसे अमेरिका करता है। कल अगर भारत की सत्ता आपकी बात न माने, तो आप उस पर भी चढ़ दौड़ेंगे। ये बात अलग है कि कभी वियतनाम से पिटेंगे, तो कभी अफगानिस्तान से सिर पर पांव रखकर भागेंगे। आपको नब्बे का दशक याद होगा। अमेरिका, ईराक पर टूट पड़ा था। बहाना बनाया था कि ईराक के पास ऐसे रासायनिक हथियार हैं, जो विश्व को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि यह कभी प्रमाणित नहीं हो सका। लेकिन सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी गई। उनका वह चित्र छपा था, जिसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाते थे। उनका सिर एक ओर पड़ा था और धड़ एक ओर। नब्बे के दशक में ही भारत में टेलीविजन घर–घर पहुंच चुका था। ईराक, अमेरिका की लड़ाई का पहली बार लाइव प्रसारण लोगों ने घर बैठकर देखा था और रोमांचित हुए थे। आज इक्कीसवीं सदी के पचीसवें वर्ष में इस्राइल, अमेरिका, ईरान युद्ध की तस्वीरें, लाइव प्रसारण भी खूब दिख रहे हैं। बीबीसी और न्यूयार्क टाइम्स ने बताया कि इस समय युद्ध के फेक वीडियोज और रील्स की बाढ़ आ गई है। इन्हें एआई द्वारा तैयार किया गया है। इन रील्स और वीडियोज को देखने वालों और फालोअर्स की संख्या करोड़ों में पहुंच रही है। इस फेक नैरेटिव से लड़ना वाकई मुश्किल काम है। इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय भी देखा गया था। किस तरह से पश्चिमी मीडिया ने भारत के खिलाफ फेक नैरेटिव तैयार किया था। लिखने वाले पाकिस्तानी और छापने वाले यही न्यूयार्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट, टेलीग्राफ, बीबीसी आदि ही थे। लेकिन अब जब अमेरिका, इस्राइल के खिलाफ फेक वीडियोज और रील्स भारी पैमाने पर आने लगे, तो रोने लगे। पश्चिमी मीडिया ऐसा ही दुरंगा है। अपने मालिकों को हर हाल में बचाता है। उनके खिलाफ शायद ही कभी मानव अधिकार हनन का रोना रोया जाता है। इसमें पश्चिमी न्यूज एजेंसीज भी बढ़–चढ़कर भूमिका निभाती हैं। तरह–तरह के गढ़े झूठ को सच की तरह परोसा जाता है। अपने यहां भी अधिकांश चौनल्स जिस तरह का युद्धोन्माद भड़का रहे हैं, वह काफी निंदनीय और चिंतित करने वाला है। ज्यादा से ज्यादा टीआरपी और उसके बदले विज्ञापनों की बढ़त के कारण हर समय ऐसेदृऐसे हैडिंग्स लगाए जा रहे हैं– इस्राइल ईरान क्रुद्ध, अब होगा विश्वयुद्ध। या कि नहीं रुकेगा परमाणु युद्ध। आश्चर्य यह होता है कि यदि परमाणु युद्ध हो जाए, तो क्या वे लोग बचे रहेंगे, जो इस तरह की भविष्यवाणियां रात–दिन करके माल बटोर रहे हैं। आपने ईरान की उस टीवी पत्रकार की हालत तो देखी ही होगी, जो स्टूडियो पर इस्राइली हमले के बाद लाइव प्रसारण छोड़कर भागी। ईरान के खामनेई अक्सर कहते रहे हैं कि वे इस्राइल का नामोनिशान मिटा देंगे। क्या वाकई ऐसा हो सकता है। अगर ऐसा हो सकता, तो इस तीन साल से अधिक के वक्त में रूस ने यूक्रेन का नामोनिशान मिटा दिया होता। इस्राइल के खिलाफ तो इतने अधिक देश हैं कि वह कब का खत्म हो गया होता।

आत्मनिर्भरता से रक्षा निर्यातक बनने के बीच चुनौती

डॉ. शशांक

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां रूस–यूक्रेन, इस्राइल–हमास और इस्राइल–ईरान जैसे युद्ध चल रहे हैं, वहीं भारत–पाकिस्तान के बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भी सैन्य तैयारी की गंभीरता को रेखांकित किया है। ऐसे माहौल में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग पर विश्व का ध्यान केंद्रित हुआ है। भारत ने हाल के वर्षों में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। आयातक से निर्यातक देश बनने की ओर बढ़ता भारत अब वैश्विक मंच पर एक मजबूत और विश्वसनीय रक्षा साझेदार के रूप में उभर रहा है। 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों ने देश के रक्षा निर्माण और निर्यात को गति दी है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का रक्षा निर्यात वित्तीय वर्ष 2017–18 में मात्र 1,521 करोड़ रुपये था, जो 2023–24 में बढ़कर 16,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। यह लगभग 950 प्रतिशत की वृद्धि है, जो यह दर्शाता है कि भारत अब रक्षा निर्माण और निर्यात के क्षेत्र में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के 85 से अधिक देशों को रक्षा उत्पादों का निर्यात किया है। निर्यात किए जाने वाले प्रमुख रक्षा उत्पादों में आर्टिलरी गन सिस्टम्स (धनुष) आकाश मिसाइल प्रणाली, राडार सिस्टम्स (स्वाति राडार), गश्ती नौकाएं और मिसाइल बोट्स, डोर्नियर एयरक्राफ्ट, 'ध्रुव', बुलेटप्रूफ जैकेट्स, हेल्मेट्स, स्मॉल आर्म्स और गोला–बारूद, ड्रोन, यूएवी आदि शामिल हैं। सरकार ने रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं मसलन रक्षा उत्पादन नीति, निजी कंपनियों को प्रोत्साहन, विदेशों में रक्षा अटेचेज की नियुक्ति, सिंगल विंडो क्लियरेंस, डिफेंस एक्सपो जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजन। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जैसे सार्वजनिक उपक्रमों के साथ–साथ टाटा, एल एंड टी, भारत फोर्ज जैसी निजी कंपनियों ने डिफेंस निर्यात को नया आयाम दिया है। सरकार ने लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाया है, जिससे निजी कंपनियां भी रक्षा उत्पादन और निर्यात में भाग ले सकें। रक्षा निर्यात से जुड़े लाइसेंस और परमिशन अब सिंगल विंडो सिस्टम से मिल रहे हैं। ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली भारत की रक्षा तकनीक की एक उत्कृष्ट उपलब्धि है। यह सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' द्वारा विकसित की गई है। अब यह न केवल भारत की सैन्य क्षमताओं का एक अभिन्न हिस्सा है, बल्कि भारत के डिफेंस निर्यात की पहचान भी बन रही है। भारत ब्रह्मोस मिसाइल का निर्यात करने की दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ा चुका है। यह भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' द्वारा विकसित एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जो दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइलों में से एक मानी जाती है। यह भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट सेक्टर की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि इससे भारत विश्व के चुनींदा मिसाइल निर्यातक देशों की सूची में शामिल हो गया है। जनवरी, 2022 में, भारत ने फिलीपींस के साथ लगभग 375 मिलियन डॉलर (करीब 2700 करोड़ रुपये) का सौदा किया। इस सौदे के तहत भारत शिप–लॉन्च ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति कर रहा है। यह भारत की पहली बड़ी मिसाइल निर्यात डील है। इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया, यूएई, ब्राजील, अर्जेंटीना आदि देशों को कृ (संभावित ग्राहक) भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की पेशकश की है। ब्रह्मोस के 'लैंड, शिप और एयर वर्जन' को लेकर इन देशों में रुचि जताई गई है। ब्रह्मोस निर्यात भारत की तकनीकी और सामरिक क्षमताओं को दर्शाता है।

.... विविध ....

कोरियंस जैसी चमकदार स्किन पाने के लिए अपनाएं ये खास टिप्स

कोरियंस जैसी चमकदार और बेदाग त्वचा पाना हर महिला का सपना होता है। कोरियाई ग्लास स्किन एक ऐसी त्वचा है, जो न केवल बेदाग होती है, बल्कि उसमें एक प्राकृतिक और स्वस्थ चमक होती है। अगर आप भी चाहती हैं कि आपकी त्वचा कोरियाई सुंदरियों जैसी हो, तो आपको इन खास टिप्स को अपनी रोजाना की दिनचर्या में शामिल करना होगा। ये टिप्स आपकी त्वचा को ताजगी देंगे और उसे स्वस्थ बनाए रखेंगे।

स्टीम सेशन का लाभ उठाएं

अगर आप कोरियंस जैसी चमकदार त्वचा चाहती हैं, तो स्टीम सेशन को अपनी दिनचर्या में शामिल करना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। स्टीम से आपकी त्वचा के रोमछिद्र खुले रहते हैं, जिससे गंदगी और एक्स्ट्रा ऑयल बाहर निकल जाता है। साथ ही, यह त्वचा को हाइड्रेट भी करता है, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और निखरी दिखती है। आप हर दिन 5–7 मिनट के लिए स्टीम ले सकती हैं। इसके लिए आप स्टीमर का इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर गुनगुने पानी से भरी कटोरी के ऊपर अपने चेहरे को कुछ मिनटों तक रखें। यह आपकी त्वचा को न सिर्फ साफ करेगा बल्कि आपके चेहरे को ताजगी भी देगा।

चेहरे की एक्सरसाइज करें

कोरियाई महिलाओं के चेहरे का आकार और टाइट त्वचा भी एक कारण है कि उनकी त्वचा इतनी सुंदर दिखती है। चेहरे की एक्सरसाइज से आप न सिर्फ अपनी त्वचा को टोन कर सकती हैं, बल्कि इससे आपकी त्वचा पर एक प्राकृतिक लिफ्ट भी आएगी। इसके लिए आप रोजाना अपनी जॉलाइन के आस–पास हल्की मसाज कर सकती हैं और चेहरे के मसल्स को रिलैक्स कर सकती हैं। इससे आपकी त्वचा भी जवां और ताजगी से भरी हुई दिखेगी। आप अपने गालों, जॉलाइन और माथे की हल्की मसाज करने के लिए कोरियाई तकनीकें भी इस्तेमाल कर सकती हैं, जो आपके चेहरे को निखारने में मदद करेंगी।

चेहरे की गहरी सफाई करें

कोरियाई त्वचा की सफाई का तरीका बहुत खास होता है। बेदाग और चमकदार त्वचा पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने चेहरे को सही तरीके से साफ करें। कोरियाई महिलाएं आमतौर पर दो कदमों में अपना चेहरा साफ करती हैंरू पहले माइसेलर वॉटर से मेकअप और गंदगी हटाती हैं और फिर फेसवॉश से गहरे तौर पर सफाई करती हैं। माइसेलर क्लींजिंग वॉटर चेहरे की त्वचा को अंदर से साफ करता है और हर प्रकार की गंदगी को बाहर निकालता है। इसके बाद, नींबू युक्त फेसवॉश का इस्तेमाल करना आपकी त्वचा को ताजगी और चमक देता है। यह फेसवॉश न केवल आपके चेहरे को साफ करता है बल्कि त्वचा में मौजूद अतिरिक्त तेल को भी हटाता है।

नम वॉशक्लॉथ से एक्सफोलिएट करें

चेहरे को एक्सफोलिएट करना कोरियाई स्किनकेयर का एक अहम हिस्सा है। इसके जरिए आप अपनी त्वचा से मृत कोशिकाओं को हटाती हैं, जिससे त्वचा को ताजगी मिलती है। कोरियाई महिलाएं मुलायम वॉशक्लॉथ से अपने चेहरे की सफाई करना पसंद करती हैं। एक मुलायम कपड़े को गुनगुने पानी में डुबोकर उसे हल्के हाथों से अपने चेहरे पर घुमाएं। इस प्रक्रिया से आपकी त्वचा पर जमी धूल, गंदगी और डेड स्किन सेल्स साफ हो जाते हैं। इससे आपकी त्वचा और भी चमकदार दिखेगी। एक्सफोलिएट करने से त्वचा में रक्त संचार बेहतर होता है और चेहरा निखरता है।

हाइड्रेशन पर ध्यान दें

कोरियाई स्किनकेयर में हाइड्रेशन की बहुत अहमियत है। अगर आप भी कोरियंस जैसी स्किन पाना चाहती हैं, तो आपको अपनी त्वचा को अंदर से हाइड्रेट रखना होगा। इसके लिए आप अपनी त्वचा को रोजाना अच्छे हाइड्रेटिंग सीरम या मॉइश्चराइजर से पोषण दे सकती हैं। पानी की सही मात्रा पीना भी आवश्यक है, क्योंकि यह न केवल आपकी त्वचा को हाइड्रेट करता है बल्कि इसे चमकदार भी बनाता है। इसके अलावा, चेहरे पर मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल त्वचा को मुलायम और पोषित रखता है।

नींद और आहार पर ध्यान दें

अच्छी नींद और सही आहार कोरियाई सुंदरता के अन्य महत्वपूर्ण पहलू हैं। पर्याप्त नींद से आपकी त्वचा को रिपेयर करने का समय मिलता है, जिससे आपकी त्वचा ताजगी से भरपूर रहती है। इसके अलावा, आपको अपनी डाइट में विटामिन ६ एंटीऑक्सीडेंट्स और अन्य पोषक तत्वों को शामिल करना चाहिए, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखें। कोरियाई महिलाएं अपने आहार में ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, और प्रोटीन से भरपूर चीजें शामिल करती हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होती हैं।

इन खास टिप्स को अपनाकर आप भी कोरियंस जैसी चमकदार और बेदाग त्वचा पा सकती हैं। तो अब जब भी आप ग्लास स्किन की चाहत महसूस करें, इन आसान और असरदार तरीकों को अपनाएं और अपनी त्वचा को निखारें।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं को ज्यादा है फैटी लिवर का खतरा

आजकल फैटी लिवर एक आम बीमारी बनती जा रही है, जो लिवर से जुड़ी गंभीर समस्या है। यह बीमारी तब होती है जब लिवर में चर्बी (फैट) जमा होने लगती है। इसका मुख्य कारण गलत जीवनशैली, खराब खानपान, शराब–सिगरेट का सेवन और मोटापा होता है।

हाल ही में मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में लिवर की जांच के लिए एक विशेष मशीन से स्क्रीनिंग की गई। इस जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं फैटी लिवर की बीमारी से अधिक पीड़ित हैं। लिवर की जांच में कई लोगों में फैटी लिवर की पुष्टि हुई, जिनमें महिलाओं की संख्या सबसे ज्यादा पाई गई।

कैसे हुई जांच?

जांच में बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) का उपयोग किया गया। बीएमआई एक ऐसा मापदंड है जिसमें व्यक्ति की ऊंचाई, वजन और कमर के आकार को देखकर शरीर में चर्बी की मात्रा का अंदाजा लगाया जाता है। महिलाओं के लिए यदि कमर की माप 80 सेंटीमीटर से अधिक हो, तो उन्हें फैटी लिवर की श्रेणी में रखा जाता है। स्क्रीनिंग के बाद ब्लड टेस्ट से भी इसकी पुष्टि की गई।

महिलाओं में फैटी लिवर के प्रमुख कारण क्या हैं?

शराब का सेवन (हालांकि सभी महिलाओं में यह कारण नहीं होता)

डायबिटीज (शुगर)

कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना

ज्यादा दवाइयों का सेवन

हार्मोनल बदलाव या असंतुलन

मोटापा और कम शारीरिक गतिविधि

फैटी लिवर के लक्षण (संकेत)

लगातार थकान महसूस होना

पेट के दाहिने हिस्से में दर्द

आंखों और त्वचा का पीला पड़ना

गहरे रंग का पेशाब

शरीर में सूजन

भूख न लगना और वजन घटाना

सुबह के समय मतली या उल्टी

अपच और गैस की समस्या

फैटी लिवर से बचाव कैसे करें?

वजन कम करने के लिए नियमित व्यायाम करें। संतुलित आहार लें, जिसमें साबुत अनाज, ताजे फल और हरी सब्जियां हों। शराब और धूम्रपान से पूरी तरह परहेज करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे। फाइबर युक्त चीजों का सेवन करें। ग्रीन टी और हर्बल टी का सेवन करें, जिससे मेटाबॉलिज्म सुधरता है।

फैटी लिवर आज की तेजी से बिगड़ती जीवनशैली का एक बड़ा परिणाम है, और महिलाओं में इसके बढ़ते मामलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। समय रहते जांच, सावधानी और सही जीवनशैली अपनाकर इस बीमारी से बचा जा सकता है।

पेट में जलन की समस्या को न करें इग्नोर

पेट का कैंसर, दुनिया भर में पांचवा सबसे आम कैंसर है, यह वैश्विक स्तर पर कैंसर से संबंधित मौतों का तीसरा प्रमुख कारण है। कई लोग सोचते हैं कि गैस्ट्रिक अल्सर अपने आप पेट के कैंसर में बदल सकता है, लेकिन पेट का अल्सर और कैंसर वैसे तो अलग–अलग स्थितिया हैं। गैस्ट्रिक अल्सर एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें पेट या आंत की अंदरूनी परत में घाव या छाले हो जाते हैं। हालांकि, अल्सर अपने आप में कैंसर नहीं होता, अगर इसे लंबे समय तक

अनदेखा किया जाए तो यह पेट के कैंसर का कारण बन सकता है।

गैस्ट्रिक अल्सर का कारण

गैस्ट्रिक अल्सर तब होता है, जब पेट में मौजूद गैस्ट्रिक जूस (एसिड)की अधिकता से पेट की अंदरूनी परत में घाव हो जाता है। इसके कारण व्यक्ति को पेट में जलन, दर्द, अपच और एसिडिटी जैसी समस्याएं होती हैं। यह आमतौर पर बैक्टीरिया संक्रमण, ज्यादा दर्द निवारक दवाओं का सेवन या ६ूम्रपान–शराब के कारण होता है।

गैस्ट्रिक अल्सर और पेट के कैंसर का संबंध

पेट के अल्सर का सबसे बड़ा कारण भ् चलसवतप बैक्टीरिया होता है। यह बैक्टीरिया पेट की लाइनिंग को नुकसान पहुंचाता है और लंबे समय तक पेट में रहने से कोशिकाओं में बदलाव कर सकता है, जिससे कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। अगर गैस्ट्रिक अल्सर का समय पर इलाज न किया जाए, तो यह मालिग्नेंट (कैंसरस) अल्सर में बदल सकता है। बार–बार होने वाला अल्सर पेट की दीवारों को नुकसान पहुंचाकर कैंसर में परिवर्तित हो सकता है।

पुराने या बार–बार होने वाले अल्सर के कारण पेट की कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं।

विलीन हुई रियासतों के समय के धार्मिक स्थलों का होगा जीर्णोद्धार, जिलों से मांगे गए प्रस्ताव

लखनऊ, (संवाददाता)। आजादी के बाद प्रदेश में स्वतंत्र रियासतें सरकार में विलीन हो गईं। उस समय सार्वजनिक प्रयोग में धार्मिक स्थल भी राज्य सरकार के अधीन हो गए थे। प्रदेश सरकार ने विलीन हुई रियासतों के धार्मिक स्थलों के रखरखाव, उनके संरक्षण व सुदृढ़ीकरण का निर्णय लिया है। इसके लिए धर्मार्थ कार्य विभाग ने विस्तृत नियमावली बनाई है। साथ ही जिलों से इसके लिए प्रस्ताव मांगा है। धर्मार्थ कार्य विभाग ने कहा है कि योजना के तहत उन मंदिरों के जीर्णोद्धार को वरीयता दी जाएगी, जहां अधिक श्रद्धालु व पर्यटक आते हो। वे ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक व पौराणिक महत्व के हो। डीएम द्वारा जीर्णोद्धार की संस्तुति करने से पहले संबंधित मंदिर का स्थलीय निरीक्षण व सर्वे किया जाएगा। यह देखा जाएगा कि उसकी भूमि पर राज्य सरकार का स्वामित्व है। इसके लिए धर्मार्थ कार्य निदेशालय द्वारा तकनीकी समिति का गठन कर धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार संबंधित प्रस्तावों का परीक्षण किया जाएगा। इस समिति में पुरातत्वविद, मंदिर वास्तु विशेषज्ञ को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। यह अपनी स्पष्ट आख्या शासन को उपलब्ध कराएंगे। शासन स्तर पर अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव की अध्यक्षता वाली समिति इनके जीर्णोद्धार से जुड़ा निर्णय लेगी।

संरक्षण, जीर्णोद्धार व अनुरक्षण कराया जाएगा

धर्मार्थ कार्य विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम की ओर से निदेशक धर्मार्थ कार्य को दिए निर्देश में कहा गया है कि इस समिति की संस्तुति पर संबंधित स्थल का पुरातत्व निदेशालय व इंटैक जैसी विशेषज्ञ संस्थाओं के माध्यम से संरक्षण, जीर्णोद्धार व अनुरक्षण कराया जाएगा।

000

खेत की सिंचाई करते समय ट्यूबवेल के स्टार्टर में उतरा करंट, छूने से किसान और बचाने में श्रमिक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में सोमवार की रात करंट लगने से एक किसान और एक श्रमिक की मौत हो गई। घटना से घरों में चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर गांव के लोग एकत्र हो गए। ग्रामीण परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। घटना गुरुबक्शगंज थाना क्षेत्र के देदौर गांव की है। गांव निवासी किसान राधेश्याम (60) और लोहरामऊ निवासी श्रमिक संतलाल (45) की मौत हुई है। ये लोग खेत सिंचाई कर रहे थे। इसी समय ट्यूबवेल में लगे स्टार्टर में करंट उतर आया। राधेश्याम ने ट्यूबवेल चलाने के लिए स्टार्टर में लगी बटन दबाने गए। बटन छूते ही उन्हें करंट लगा। संतलाल ने देखा तो बचाने दौड़े। इस पर उन्हें भी करंट का तेज झटका लगा। आनन फानन दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत बता दिया। थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि सूचना पर पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

सपा से निष्कासित बागी विधायक मनोज पाडेय जल्द दे सकते हैं इस्तीफ

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को तीन विधायकों को पार्टी से निकाल दिया। इसमें एक नाम मनोज कुमार पांडेय का शामिल हैं। सपा से निष्कासित बागी विधायक मनोज पांडेय शीघ्र ही विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं। वे वर्तमान में रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। सूत्र बताते हैं कि दोबारा चुनाव जीतने की स्थिति में वे सरकार में अहम जिम्मेदारी पा सकते हैं। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने या गैरहाजिर रहने वाले आठ विधायकों में से सिर्फ मनोज पांडेय ने ही अभी तक भाजपा की सदस्यता ली है। उन्होंने अपना सफर स्थानीय निकाय चुनाव से शुरू किया था। वे चार बार के विधायक हैं। वर्ष 2004–07 और 2012–17 की सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे थे। सपा में भी उनके पास अहम जिम्मेदारियां थीं। वे सपा के राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके हैं। जिस समय उन्होंने बगावत करके राज्यसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट किया था, तब भी वे विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक थे।

भाजपा नेतृत्व से आश्वासन भी मिल चुका है

पांडेय सपा के निष्कासन के बाद दल–बदल कानून से मुक्त हो गए हैं। उनके नजदीकी सूत्र बताते हैं कि इसके बावजूद वे विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देंगे, ताकि उपचुनाव में भाजपा से टिकट पाकर फिर से सदन में पहुंच सकें। बताते हैं कि इसके लिए उन्हें भाजपा नेतृत्व से आश्वासन भी मिल चुका है। भाजपा के अंदर उच्चस्तर पर बनी रणनीति के तहत ही इस दिशा में आगे बढ़ा जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि यह इसलिए भी जरूरी है कि मनोज पांडेय सपा के टिकट पर चुनाव जीते हैं और भाजपा नेतृत्व नहीं चाहता कि इस स्थिति में उन्हें कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने से गलत संदेश जाए।

दारा सिंह चौहान ने भी विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दिया था

इससे पहले कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान के मामले में भी ऐसा ही किया गया था। वे 2022 में सपा के टिकट पर घोसी से विधायक चुने गए थे, इसलिए उन्होंने भी मंत्री बनाए जाने का आश्वासन मिलने पर विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, उपचुनाव में वे हार गए। पार्टी ने उन्हें विधान परिषद भेजकर मंत्री बनाया।

संक्षिप्त खबरें

श्रीलंका को पर्यटन में यूपी से सबसे ज्यादा कमाई, 25 फीसदी योगदान

लखनऊ, (संवाददाता)। श्रीलंका टूरिज्म प्रमोशन ब्यूरो और श्रीलंका कन्वेंशन ब्यूरो ने उत्तर प्रदेश में अपने पर्यटन बाजार को मजबूत करने के उद्देश्य से लखनऊ में बी2बी नेटवर्किंग और रोडशो का आयोजन किया। गोमतीनगर स्थित एक होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री विजीथा हेराथ और उप मंत्री प्रो. रुवान रणसिंघे के नेतृत्व में श्रीलंका से 35 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में श्रीलंका टूरिज्म की सहायक निदेशक शिरानी हेरथ ने बताया कि श्रीलंका आने वाले कुल भारतीय पर्यटकों में यूपी का 25 फीसदी योगदान है। जनवरी से मई 2025 के बीच कुल 10,29,803 पर्यटकों में से 2,04,060 भारत से थे। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद श्रीलंका टूरिज्म को बड़ा फायदा मिला है। ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई) की यूपी–उत्तराखंड चेयरपर्सन हीना जैदी के अनुसार, यूपी से हर साल 10 हजार से ज्यादा पर्यटक श्रीलंका जाते हैं। बुद्ध सर्किट, रामायण ट्रेल और धार्मिक स्थलों से जुड़ाव की वजह से टेम्पल टू टेम्पल टूरिज्म तेजी से बढ़ा है। कार्यक्रम में 200 से अधिक ट्रैवल एजेंट्स व इंडस्ट्री प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समापन अवसर पर श्रीलंकाई कलाकारों द्वारा पारंपरिक सबरगमों नृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अधिकार बचाओ सम्मेलन के बहाने दलित–मुस्लिम एकता पर दिया जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। भाईचारा बनाओ अधिकार बचाओ सम्मेलन के माध्यम से भीम आर्मी और कौमी भाईचारा मंच के नेताओं ने प्रदेश के दलितों व मुस्लिमों को एक मंच पर आने का संदेश दिया। आईआईएम कॉलेज के पास स्थित बारात घर में आयोजित सम्मेलन में भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह ने गोकशी के नाम पर हिंसा, फर्जी मुकदमों में युवाओं को फंसाने और मस्जिदों को गिराए जाने की घटनाओं पर चिंता जताई। शिया धर्म गुरु मौलाना कल्बे जवाद ने मुस्लिमों व दलितों का आह्वान किया कि अन्याय के खिलाफ आवाज को बुलंद करें। इस दौरान ऑल इंडिया मोहम्मदी मिशन यूथ के अध्यक्ष मोहम्मद अहमद मियां, पसमांदा समाज के अध्यक्ष मकसूद अंसारी, भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कुलदीप भार्गव, आमिर साबरी, सैयद रजा हैदर, भारत सिंह आदि मौजूद रहे। सम्मेलन में वक्फ संशोधन बिल रद्द करने, मॉब लिंचिंग पर सख्त कानून बनाने और हेट स्पीच की स्पष्ट परिभाषा तय करने की मांग का प्रस्ताव पास कर राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन भी भेजा गया।

ऐतिहासिक धरोहरों पर अतिक्रमण रोकने, मोहर्रम तैयारियों को प्रभावी बनाने का निर्णय

लखनऊ, (संवाददाता)। हुसैनाबाद ट्रस्ट के कार्यों की गुणवत्ता में सुधार, मोहर्रम की तैयारियों को प्रभावी बनाने के साथ ऐतिहासिक धरोहरों पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। यह निर्णय रविवार रॉयल फैमिली ऑफ अवध के तत्वावधान में छोटा इमामबाड़ा में हुई बैठक में लिया गया। इस मौके पर मौजूद प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने इन मुद्दों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए।

राज्यसभा चुनाव में हुई सात क्रास वोटिंग

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को तीन विधायकों को पार्टी से निकाल दिया। पार्टी के सिर्फ तीन बागी विधायकों पर ही कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।

जबकि, राज्यसभा चुनाव में कुल सात विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की और एक विधायक गैरहाजिर रहीं। वहीं, बरेली के सपा विधायक शहजिल इस्लाम का वोट रिजेक्ट होने पर भी सवाल उठे थे। सपा सूत्र बताते हैं कि सपा नेतृत्व के खिलाफ लगातार यही तीन विधायक मनोज पांडेय, राकेश प्रताप सिंह और अभय सिंह अभियान चलाए हुए थे। ये भाजपा के पक्ष में सक्रिय भी हैं। वहीं, शेष 5 विधायकों के मामले में वैसी स्थिति नहीं है। इनमें से कुछ तो अपने एकदम निजी हितों के चलते सत्ताधारी दल के करीब हैं। इन विधायकों के व्यवहार को सपा नेतृत्व ने भी अच्छा बताया है।

तीन बागी विधायकों को ही निष्कासित करने का फैसला किया

सपा के एक वरिष्ठ नेता बताते हैं कि जिन बागी विधायकों को निष्कासित नहीं किया गया है, उनमें से कुछ तो पार्टी नेतृत्व के साथ संपर्क में हैं। समय आने पर उनकी घर वापसी भी हो सकती है। सपा के मुख्य प्रवक्ता व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी कहते हैं कि पार्टी ने काफी सोच–समझकर तीन बागी विधायकों को ही निष्कासित करने का फैसला किया है। इसकी सूचना विधानसभा अध्यक्ष को भेजे जाने के बाबत फिलहाल वे कुछ बता पाने की स्थिति में नहीं है।

सपा से निष्कासित विधायकों का क्या होगा भविष्य विधानसभा अध्यक्ष ने साफ की तस्वीर

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना रामलला के दर्शन करने के मंगलवार को अयोध्या पहुंचे। सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों और भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया और उन्हें गार्ड आफ आनर दिया गया। समाजवादी पार्टी से निष्कासित तीनों विधायकों के राजनीतिक भविष्य को लेकर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि जो नियम है उसके मुताबिक कोई भी विधायक पार्टी की मंशा के अनुरूप काम नहीं करता है तो उस पार्टी का अधिकार होता है कि रूल 10 के अंतर्गत अध्यक्ष के समक्ष अपनी याचिका दाखिल कर सके। पिटीशन का निर्णय गुण दोष के आधार पर होता है लेकिन इस प्रकरण में विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष उनकी सदस्यता को लेकर किसी भी प्रकार का पिटिशन नहीं लगाया गया है। जो विधायक किसी राजनीतिक दल से निष्कासित होते हैं, उनको असंबद्ध रूप से मान्यता मिलती है। अभी कल समाजवादी पार्टी ने निष्कासन किया है, इसकी आधिकारिक सूचना मेरे पास नहीं है। जो सदस्य निष्कासित हुए हैं, उनको अलग से मान्यता देने के लिए भी किसी प्रकार का कोई भी आवेदन मेरे पास नहीं आया है। जिस समय आवेदन आएगा, उस पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। दरअसल समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह, गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार के विधायक मनोज पांडेय को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण पार्टी से निष्कासित कर दिया है। अब इनके राजनीतिक भविष्य को लेकर तरह–तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

लविवि ने 13 कोर्स के परीक्षा परिणाम घोषित किए

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर परीक्षा के तहत सोमवार को 13 कोर्स के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि छात्र सभी कोर्स के विस्तृत परिणाम विवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं। किसी तरह की समस्या आने पर परीक्षा विभाग में संपर्क सकते हैं। जिन कोर्स के परीक्षा परिणाम जारी हुए हैं उसमें बीकॉम बैक पेपर, बीएससी एग्रीकल्चर, एमए डिफेंस स्टडीज, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, एमएलबी, एमसीए, बीफार्मा, एमपीएड, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, एमए वूमेन स्टडीज और एमबीए सम सेमेस्टर के विषय शामिल हैं।

लखनऊ में युवाओं को नौकरी का सुनहरा मौका, वेतन 27 हजार तक

लखनऊ, (संवाददाता)। आईटीआई और डिप्लोमा धारकों के लिए लखनऊ में ही रोजगार का बेहतरीन अवसर सामने आया है। मंगलवार को सरोजनी नगर ब्लॉक परिसर में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय की ओर से रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 10 नामी कंपनियां 400 से अधिक पदों पर युवाओं की भर्ती करेंगी। खास बात यह है कि इनमें 70 प्रतिशत पद लखनऊ में ही तैनाती के लिए निर्धारित हैं। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के सहायक निदेशक सूर्यकांत कुमार ने बताया कि हाईस्कूल, इंटर, आईटीआई, पॉलिटेक्निक और स्नातक डिग्री धारक युवक–युवतियां इस मेले में भाग ले सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। इसके बाद, अभ्यर्थी अपनी सीवी की प्रतियां और मूल शैक्षिक प्रमाणपत्र लेकर मेले में सीधे शामिल हो सकते हैं। भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः निरूशुल्क है। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में प्रज्ञान ग्लोबल, पेटीएम, इंस्टा ह्यूमन, ओसियन सर्विसेस, वीविंग, औडाज, जय भारत, टाइम्स प्रो और एस कंस्ट्रक्शन जैसी कंपनियां मेले में शामिल होंगी। पदों पर चयन शैक्षिक योग्यता और इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को 15 हजार से 27 हजार रुपये तक का मासिक वेतन और मेडिकल सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।

नृत्य के साथ अभिनय में भी छाए छोटे उस्ताद

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर स्थित बौद्ध शोध संस्थान के प्रेक्षागृह में सोमवार की शाम बच्चों की मासूमियत, उनकी अदाओं और शानदार नृत्य के नाम रही। इस दौरान मंच पर न सिर्फ बच्चे जमकर झूमे बल्कि उन्होंने हॉल में मौजूद अपने मम्मी–पापा समेत सभी दर्शकों को भी झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके अलावा बच्चों ने नाटकों के मंचन में भी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया। मौका था हैप्पी ऑवर्स समर कैंप के 11वें संस्करण के समापन का जहां रंगारंग ग्रैंड फिनाले में बच्चों की रचनात्मकता दिखाई दी। क्यूरेटर वैष्णवी भाटिया के निर्देशन में बच्चों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान मंच पर मनमोहना, टाइगर और खरगोश के अलावा द मैजिकल स्कूल ट्रिप जैसे नाटकों के मंचन में नन्हे–मुन्नो से सभी को अपने अभिनय से मंत्रमुग्ध कर दिया।

आरटीई में चयनित 3000 बच्चों का भविष्य अधर में

लखनऊ, (संवाददाता)। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को निशुल्क शिक्षा का हक देता है, लेकिन लखनऊ के कई निजी स्कूलों ने इस कानून को ठेंगा दिखा रखा है। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दरबार में मुरादाबाद की एक बच्ची ने जब आरटीई के तहत एडमिशन न मिलने की शिकायत की, तो सीएम के निर्देश पर महज तीन घंटे में उसका दाखिला हो गया। यह मामला लखनऊ समेत प्रदेश के अन्य जिलों की हकीकत को उजागर करता है। राजधानी में भी ऐसे हजारों उदाहरण मौजूद हैं। आंकड़ों के मुताबिक, लखनऊ में आरटीई के तहत चयनित 3000 बच्चे अब तक स्कूल प्रवेश का इंतजार कर रहे हैं, जबकि 2800 बच्चों ने निजी स्कूलों की मनमानी से तंग आकर दाखिले की उम्मीद छोड़ दी है। जयपुरिया, बाल गाइड, सीएमएस, और विश्वनाथ एकेडमी जैसे प्रतिष्ठित स्कूलों पर आरोप है कि उन्होंने सिस्टम की तमाम चेतावनियों के बावजूद आरटीई के छात्रों को प्रवेश नहीं दिया। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की कई बार नोटिस और निर्देशों के बावजूद स्कूलों का रवैया टस से मस नहीं हुआ। एक जुलाई से नया शैक्षिक सत्र शुरू होने वाला है, लेकिन हजारों बच्चों का भविष्य अधर में लटका है। वहीं, डीएम द्वारा बनाई गई बीईओ और एसीएम की संयुक्त कमेटियां भी स्कूलों पर कोई असर नहीं डाल सकीं। आरटीई के तहत चयनित हर बच्चे को प्रवेश देना अनिवार्य है। यदि किसी स्कूल ने मनमानी जारी रखी, तो उनकी एनओसी निरस्त कर संबंधित बोर्ड को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

15 जुलाई तक निरस्त हुईं एयर इंडिया की दो उड़ानें, 13 से ज्यादा फ्लाइट पहले से चल रही हैं रद्द

लखनऊ, (संवाददाता)। चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट से दिल्ली आने व जाने वाली एयर इंडिया की दो उड़ानें अचानक 25 दिनों के लिए रद्द कर दी गई हैं। यह उड़ानें 21 जून से 15 जुलाई तक निरस्त हरेंगी। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2460 दिल्ली से रात 8रू55 बजे चलकर एक घंटा 10 मिनट में रात 10रू05 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचती है। वापसी में एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2461 रात 10रू55 बजे लखनऊ से रवाना होकर रात 12रू20 बजे दिल्ली पहुंचती है। दोनों उड़ानों को एयरलाइन ने बीते 21 जून से 15 जुलाई तक के लिए रद्द कर दिया है। वहीं एयरलाइन ने इस निर्णय का कारण ऑपरेशनल बताया है। अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे के बाद से लखनऊ से जुड़ी 13 से अधिक एयर इंडिया की उड़ानें पहले ही रद्द की जा चुकी है। इसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस की भी चार उड़ानें शामिल हैं। बताया जाता है कि एयर इंडिया के पास कुल 297 विमान हैं। इनमें 194 एयर इंडिया के और 103 एयर इंडिया एक्सप्रेस के हैं। वर्तमान में सभी विमानों की सघन जांच की जा रही है। लखनऊ से दिल्ली आने–जाने के लिए जिन लोगों ने इन 25 दिनों के बीच के टिकट बुक किए थे, उन्हें रिफंड दिया जा रहा है। वहीं मामले की जांच की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद उक्त विमानों का संचालन पुनः शुरू कर दिया जाएगा। चंडीगढ़ से लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान रविवार को टेकऑफ से पहले अचानक निरस्त कर दी गई। तकनीकी खराबी के चलते विमान को टेकऑफ से पहले रोक दिया गया। इंजीनियरों की टीम खराबी दूर करने में जुटी है। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6ई–146) चंडीगढ़ से सुबह 7:10 बजे रवाना होकर सुबह 8:30 बजे लखनऊ पहुंचती है। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि रविवार सुबह चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर इस विमान के यात्रियों की बोर्डिंग हो चुकी थी।

देश की संस्कृति के अनुरूप हो शिक्षा व्यवस्था

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में देश की शिक्षा, हमारी संस्कृति और प्रकृति के अनुरूप कैसे बने, इस विषय पर रविवार को गोमती नगर स्थित आर के मित्तल सभागार में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अवध प्रांत की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर विधान परिषद् सदस्य व एसआर ग्रुप के चेयरमैन पवन सिंह चौहान और अध्यक्ष के तौर पर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सह संयोजक संजय स्वामी मौजूद रहे। पवन सिंह चौहान ने कहा कि देश को आत्म निर्भर बनाना है, तो देश के छात्रों को शिक्षा के जरिए आत्मनिर्भर बनाना होगा। संजय स्वामी ने कहा कि लोकतंत्र में, सरकार और समाज दोनों के मिले–जुले प्रयास से ही किसी भी क्षेत्र में बदलाव संभव है। न्यास के प्रयासों से यौन शिक्षा के विकृत पाठ्यक्रम को रोकने में हमें सफलता मिली है। देश के अधिकतर विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह अब भारतीय वेशभूषा और परंपरा के अनुरूप होने लगे हैं। वैदिक गणित विषय में 38 विश्वविद्यालयों व इतने ही महाविद्यालयों ने न्यास के साथ अनुबंध (एमओयू) करके पाठ्यक्रम शुरू कर दिया है।

जनप्रतिनिधियों से मांगा समर्थन, कहा–कम नामांकन पर संसाधन व शिक्षक भेजने की जरूरत

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में कम नामांकन वाले परिषदीय विद्यालयों के विलय को लेकर शिक्षक संगठनों का विरोध तेज हो गया है। इसके तहत विभिन्न संगठनों ने सोमवार से जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन देकर इस निर्णय को रोकने की मांग की। साथ ही सीएम तक भी अपनी बात पहुंचाने का अनुरोध किया। इसके लिए लखनऊ, बरेली समेत कई जिलों में ज्ञापन दिया गया। शिक्षक संगठन यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौर की अध्यक्षता में संगठन की प्रांतीय कार्यसमिति की ऑनलाइन बैठक हुई। इसमें पदाधिकारियों ने कहा कि किसी स्कूल में कम नामांकन है तो वहां संसाधन व शिक्षक भेजने की आवश्यकता है न कि उस विद्यालय को बंद करना न्यायसंगत है। उन्होंने कहा कि स्कूल विलय करने से शैक्षिक असमानता व बालिकाओं के ड्रॉपआउट में बढ़ोतरी होगी। संगठन ने इस निर्णय पर पुनर्विचार के लिए चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की। पहले चरण में प्रदेश के सभी जिलों में 23 से 29 जून तक जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों व डीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

इसी क्रम में बरेली में यूटा जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को दिया। दूसरी तरफ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय के नेतृत्व में विद्यालयों का विलय आदेश वापस लेने के लिए राजधानी में विधायक मोहनलालगंज अमरेश रावत व विधायक बक्शी का तालाब योगेश शुक्ला को ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने वालों में बृजेश कुमार मौर्य, मोहम्मद रियाज, हरि शंकर राठौर, भीम सिंह आदि शामिल थे।

एकेटीयू बीटेक के लिए चॉइस फिलिंग 10 जुलाई से

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू)से संबद्ध इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया 10 जुलाई से शुरू होगी। वहीं अन्य कोर्स में चॉइस फिलिंग के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सोमवार को विस्तृत काउंसिलिंग का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके अनुसार बीटेक में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन 30 जून तक होंगे। जबकि पहले चरण में अन्य प्रक्रिया पूरी कर ऑनलाइन चॉइस फिलिंग 10 से 12 जुलाई तक होगी। इसका सीट अलॉटमेंट 14 जुलाई को होगा। फीस देकर सीट कन्फर्म 17 जुलाई तक किया जा सकेगा। सीट फ्रीज या फ्लोट (आगे बढ़ाना) भी 17 जुलाई तक किया जा सकेगा। दूसरे चरण में चॉइस फिलिंग व सीट लॉक 18 व 19 जुलाई को, सीट अलॉटमेंट 21 जुलाई को, सीट फ्रीज या फ्लोट 21 से 23 जुलाई तक, सीट कन्फर्मेशन शुल्क 21 से 23 जुलाई तक और सीट विड्रॉ (वापस लेना) 21 से 23 जुलाई तक होगा। तीसरे चरण में ऑनलाइन चॉइस लॉक 24 से 26 जुलाई तक होगा। सीट अलॉटमेंट 28 जुलाई को होगा। सीट कन्फर्मेशन शुल्क 28 व 29 जुलाई को जमा होगा। सीट 28 व 29 जुलाई को विड्रॉ की जा सकेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार चौथे चरण में सीट अलॉटमेंट 30 जुलाई को होगा। सीट कन्फर्मेशन शुल्क 30 जुलाई व एक अगस्त को किया जाएगा। सीट 30 जुलाई से चार अगस्त तक विड्रॉ की जा सकेगी। साथ ही प्रवेश लेने वाले छात्रों को संबंधित संस्थानों में फिजिकल रिपोर्ट करनी होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन अगस्त के पहले सप्ताह में ही पठन–पाठन प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है। प्रवेश काउंसिलिंग में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन सिर्फ पहले ही चरण में 30 जून तक किए जा सकेंगे। 27 मई से शुरू हुई रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में बीटेक कोर्स में प्रवेश के लिए अब तक 60 हजार छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराए हैं। इसमें से 40 हजार से अधिक ने फीस जमाकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली है। सीयूईटी यूजी व नाटा की प्रवेश परीक्षा का परिणाम न आने की वजह से इस बार विश्वविद्यालय प्रशासन को दोहरी मशक्कत करनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस बार प्रवेश काउंसिलिंग सात चरण में प्रस्तावित की गई है। क्योंकि अभी तक सीयूईटी यूजी, नाटा की प्रवेश परीक्षा व राज्य विश्वविद्यालयों के स्नातक कोर्स के परिणाम नहीं आए हैं। परिणाम आने के बाद बीटेक छोड़कर अन्य कोर्स में प्रवेश के लिए चॉइस फिलिंग शुरू कराई जाएगी।

मेदांता लखनऊमें अनोखी तकनीक 'अनरिस्ट्रिक्टेड काइनेमेटिक्स' से इलाज में बढ़ी सटीकता, सुरक्षा और तेज रिकवरी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रोबोटिक सर्जरी वर्तमान समय में चिकित्सा क्षेत्र में वरदान साबित हो रही है। इसकी मदद से एक ओर जहां कम समय में बेहतर और सटीक इलाज मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर सर्जरी के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली खास तकनीक से मरीज की तेज रिकवरी हो रही है और ब्लड लॉस भी कम हो रहा है। मेदांता अस्पताल, लखनऊ ने इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मेदांता द्वारा ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट में रोबोटिक सर्जरी के दौरान अनरिस्ट्रिक्टेड काइनेमेटिक्स तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। मेदांता हॉस्पिटल के ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट विभाग के निदेशक डॉ सौरभ शुक्ला ने बताया कि हमारे द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली इस तकनीक से मरीजों को अप्रत्याशित परिणाम मिल रहे हैं। पारंपरिक सर्जरी की तुलना में इसमें मांशपेशियां बेहद कम कटती हैं, जिससे सर्जरी के बाद दर्द और ब्लड लॉस काफी कम होता है। मरीजों की रिकवरी तेजी से होती है। यह सर्जरी न केवल सटीक है बल्कि कई बार सामान्य सर्जरी से भी कम समय में पूरी हो जाती है। खास बात यह भी है कि इस प्रक्रिया में लगाए गए इम्प्लांट की उम्र करीब पांच साल अधिक होती है और मांसपेशियों में बहुत छोटा चीरा लगने के कारण इम्प्लान्ट्स की स्टेबिलिटी भी कहीं बेहतर होती है।

अनरिस्ट्रिक्टेड काइनेमेटिक्स तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह घुटनों के नैचुरल एलाइनमेंट से छेड़छाड़ नहीं होती। इसमें सिर्फ प्रभावित सतह को बदला जाता है, जिससे मरीज को इम्प्लांट के साथ भी स्वाभाविक अनुभव होता है। घुटनों को जबरन पूरी तरह सीधा करने के बजाय वह जैसे हैं वैसे रखने का प्रयास होता है ताकि चलने की स्पीड और बैलेंस पर कोई बुरा असर न पड़े। मेदांता हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने कहा कि हम महज तीन महीनों में 140 से अधिक सफल सर्जरी कर चुके हैं, जो न सिर्फ इस तकनीक पर लोगों के भरोसे को दिखती है बल्कि चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे तकनीकी विकास की मिसाल भी है।

पुरानी पेंशन बहाली एवं सातवें वेतन आयोग के संस्तुतियों में व्याप्त विसंगतियों के खिलाफ सत्याग्रह एवं भूख हड़ताल का आयोजन

राज्य कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने मुख्य मंत्री को संबोधित 12 सूत्रीय मांग पत्र सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर राज्य कर्मचारी संयुक्त मोर्चाध्कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश के आलोक में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष उपेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में एकदिवसीय सत्याग्रह एवं भूख हड़ताल का कार्यक्रम कलेक्ट्रेट में संपन्न हुआ जिसमें12 सूत्रीय मांग पत्र माननीय मुख्यमंत्री से संबंधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट जौनपुर को प्रेषित किया गया।जो इस प्रकार है। 1–पुरानी पेंशन बहाली 2–7वे वेतन आयोग के संस्तुतियों के उपरांत व्याप्त विसंगतियों दूर करते हुए समिति की रिपोर्ट को प्रकाशित कर उसके पूर्ण लाभ प्रदेश के राज्य कर्मचारी स्थानीय निकाय सार्वजनिक निगम परिवहन निगम प्राधिकरण शिक्षकों शिक्षक उत्तर एवं स्वयं सेवी संस्थाओं आदि के कर्मचारियों पर सामान्य रूप से लागू किया जाए। 3–प्रदेश सरकार द्वारा दिनांक 1 जनवरी 2020 से दिनांक 31 जुलाई 2021 तक फ्रीज महंगाई भत्ते का एरियर अनुमान किया जाए एवं परिवार नियोजन सीसीएल सहित बंद किए गए अन्य समस्त भत्ते बहाल किए जाएं।4–आउटसोर्सिंग एवं संविदा आदि पर कार्यरत कर्मचारियों की सेवा संबंधी सुरक्षा भविष्य में स्थाईकरण हेतु नीति तथा समान कार्य समान वेतन लागू किया जाए 5–प्रदेश की स्थानीय निकाय/विकास प्राधिकरण कर्मचारियों को राज्य कर्मचारियों की भांति सभी सुविधाएं प्रदान करते हुए वेतन ढांचा का पुनर्गठन किया जाए 6–शेष बचे राजकीय निर्गमन के कर्मचारियों को सातवें वेतनमान का लाभ अनुमान किया जाए 7– प्रमुख सचिव परिवहन के साथ रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के समझौता अनुसार महंगाई भत्ते की बकाया किस्तों का देश दिनांक से भुगतान वेतन विसंगतियों का निराकरण मृतक अस्तित्व की नियुक्ति वर्ष 2001 तक नियुक्त संविदा दैनिक वेतन भोगी कर्मचारीयों का विनती कारण सीधी भर्ती के रिक्त पदों पर 8–सेवारत एवं सेवा निवृत कर्मचारी हेतु लागू कैशलेस इलाज की सुविधा सुनिश्चित कर राज्य कर्मचारी विभाग सार्वजनिक निगमों, सार्वजनिक उपकरणों विकास प्राधिकरण ऑन शिक्षक प्रशिक्षण उत्तर एवं स्वशासी संस्थाओं के कर्मियों को भी सुविधा अनुमन्य किया जाए।–प्रदेश में नव सृजित जिला चिकित्सालय एवं महिला चिकित्सालयों को उच्चीकृत कर मेडिकल कॉलेज चिकित्सा स्वास्थ्य के सभी संवर्गों के पदों को समाप्त कर वह कार्यरत कर्मियों को पद सहित उनके मूल विभाग में वापस किया जाए। 10–समस्त डिप्लोमा फार्मासिस्ट एवं लैबटेक्नीशियन ऑप्टोमेट्रिस्ट की वर्तमान ग्रेड पे रुपया 2800 को उचित करते हुए 4200 तथा कदर पुनर्गठन व परिवर्तित किया जाए।

ट्रक से डीजल चोरी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या।बीकापुर पुलिस ने डीजल व चोरी की घटना में प्रयुक्त कार के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस बात की जानकारी देते हुए एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि 2 दिन पूर्व पीडित ट्रक का ड्राइवर इकरामुद्दीन पुत्र नईमुद्दीन जो अयोध्या से प्रयागराज रोङ पर गिट्टी लोङ करने के लिए निकला था।घर परोमा होने के कारण मार्ग पर उक्त ट्रेलर खडा कर सो गया,प्रात जब भाई कपङा देने आया तो देखा कि 04 लोग उसके ट्रेलर से डीजल निकाल रहे थे तब अपने भाई को जगाया और पकङने का प्रयास किया।एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर ने बताया कि उनमे

से एक ने कट्टे से फायर कर दिया तथा ड्राइवर के सिर पर बट से मार कर मौके से 03 लोग भाग गये।इस मामले मे आरोपी मंजीत पासी व एक कार व चोरी किया हुआ करीब 50 लीटर डीजल के साथ मौके पर पकङ कर अपने साथियो के साथ थाना लाया गया था। उन्होंने बताया कि कोतवाली बीकापुर प्रभारी निरीक्षक लाल चंद्र सरोज ने उपनिरीक्षक राजेश कुमार पटेल अरुण कुमार के साथ अन्य पुलिस कर्मियों की मदद से मगांरी पुल के नीचे पश्चिम खण्डहर/कच्चा मकान के पास तीन आरोपियों मंजीत पासी, धर्मेन्द्र लोधी,राहुल पासी व राजन यादव को गिरफ्तार किया। पुलिस घटना मे प्रयुक्त तमन्चा देशी 315 बोर मय जिन्दा कारतूस अभियुक्त धर्मेन्द्र लोदी के पास से चोरी किया हुआ 35 लीटर डीजल बरामद किया।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी हिस्ट्रीशीटर हैं। पत्रकार वार्ता में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी,सीओ बीकापुर पीयूष,सीओ यातायात अरविंद सोनकर,प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बीकापुर लाल चंद्र सरोज सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

ई रिक्शा से बैटरी चुराने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अयोध्या।थाना इनायत नगर क्षेत्र के साथ–साथ कोतवाली बीकापुर,थाना पूरा कलंदर में ई रिक्शा से बैटरी चुराने वाले तीन आरोपियों को इनायत नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया।पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान हरीलाल पुत्र श्री राम निवासी ग्राम उछापुर बेनी दीन का पुरवा,थाना उदयपुर जनपद प्रतापगढ़,ललित कुमार गौतम पुत्र रज्जन लाल निवासी ग्राम रायपुर टिआई, थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ व राहुल सरोज निवासी ग्राम रायपुर टिआई थाना लालगंज प्रतापगढ़ के रूप में हुई।एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी व सीओ इनायत नगर श्रेयस त्रिपाठी की मौजूदगी मे बताया कि इन तीनों आरोपियों को पुलिस ने गुरुवार को बारुन बाजार–शाहगंज रोड पर ग्राम धोबियारा के पास से वाहन चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया।पुलिस ने इनके पास से ई–रिक्शा में प्रयुक्त होने वाली चोरी की 18 बैटरी तथा एक जायलो वाहन बरामद किया।बताया गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक देवव्रत लाल यदुवंशी उप निरीक्षक आलोक कुमार सिंह सहित कई पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती गीता बिन्द द्वारा महिला जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक किया गया

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 25 जून, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग लखनऊ की सदस्य श्रीमती गीता बिन्द द्वारा जनपद में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा आवेदक, आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टि से निरीक्षण में महिला जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक किया गया। उक्त जनसुनवाई के दौरान 18 महिलाओं ने अपनी–अपनी समस्याएं सदस्य के समक्ष रखी और सदस्य द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवेदन पत्रों पर त्वरित रूप से जांच या आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया। तत्पश्चात सदस्य श्रीमती गीता बिन्द द्वारा जनपद स्तरीय अधिकारियों से उनके विभाग से संबंधित महिलाओं की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई और कैसे जनपद की महिलाओं को लाभान्वित किया जा सकता है उसके बारे में एक विस्तृत रूप–रेखा तैयार की गई। समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० राजीव यादव, उपयुक्त स्वतः रोजगार ओम प्रकाश यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेंद्र विश्वकर्मा, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला, जिला पूर्ति अधिकारी, सहायक खंड शिक्षा अधिकारी नगर एवं जिला समन्वयक बालिका शिक्षा, बाल विकास परियोजना अधिकारी करंजाकला अभिषेक द्विवेदी, महिला थानाध्यक्ष श्याम तिवारी, महिला एवं बाल सहायता प्रकोष्ठ की इंस्पेक्टर अनीता सिंह एवं उपनिरीक्षक पुष्पा कुमारी, थाना कोतवाली से उप निरीक्षक आरती सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय सहित अन्य ने प्रतिभाग किया। इसके उपरान्त सदस्य द्वारा जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में ऑपरेशन के बाद दाखिल महिलाओं के बेड शीट गंदे पाए गए, जिस पर सदस्य द्वारा नाराजगी प्रकट की गई। जिला महिला चिकित्सालय के हेल्पडेस्क के मैनेजर सूर्य प्रताप उपस्थिति बनाकर चिकित्सालय से अनुपस्थित मिले, जिस पर माननीय सदस्य जी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महेंद्र गुप्ता को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही निर्देशित किया गया कि अस्पताल में आने वाली महिलाओं के साथ जिला महिला चिकित्सालय के कर्मचारी और डॉक्टर उचित और मर्यादित व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि बाहर की दवाएं न लिखी जाएं। इसके पश्चात सदस्य द्वारा जिला जेल के महिला सेल का निरीक्षण किया गया, जिसमें 50 महिलाएं उपस्थित पाई गई। जिला जेल के महिला सेल में एक पौधा अपने मां के नाम अभियान के तहत माननीय सदस्य द्वारा आम का पौधा लगाया गया।

जनपद-जौनपुर के कृषि स्नातको हेतु स्वरोजगार का सुनहरा अवसर

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर प्रदेश सरकार द्वारा कृषि स्नातको को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा किसानो को गुणवत्तापूर्ण कृषि निवेश के साथ–साथ कृषि प्रसार सेवाये उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ''प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन''(एग्रीजंक्शन) योजना'' जनपद–जौनपुर में संचालित है। पात्रता रू– जनपद–जौनपुर में निवास करने वाले बेरोजगार जो कृषि एवं सहबद्ध विषयो यथा कृषि व्यवसाय प्रबन्धन–उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध, पशु चिकित्सा, मुर्गी पालन, जो किसी राज्यध्केन्द्रीय विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालयो से डिग्रीधारी है, जो आई0सी0ए0आर0ध् यू0जी0सी0 द्वारा मान्यता प्राप्त हो, पात्र होंगे। आयु 40 वर्ष से अधिक न हो, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं महिलाओ को आयु में अधिकतम 05 वर्ष की छूट। चयन प्रक्रियाः– जनपद स्तर पर जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा चयन किया जायेगा। आवेदन प्रक्रियाः– आवेदनकर्ता द्वारा आवेदन कृषि विभाग की विभागीय वेबसाइड http://agridarshan-up-gov-in अथवा https://agriculture-up-gov-in पर दिये गये लिंक के माध्यम से आन्लाईन किया जायेगा। आवेदन पत्र आन्लाईन प्रक्रिया द्वारा ही स्वीकार्य होगा। आवेदन हेतु आवश्यक दस्तावेज निम्न है रू– जन्म प्रमाण पत्र (हाई स्कूल मार्कशीट), आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, पैन कार्ड, निवास प्रमाण–पत्र, शपथ–पत्र, हाई स्कूल मार्कशीट, इण्टर मिडिएट मार्कशीट, स्नातक मार्कशीट। आवेदन की अन्तिम तिथिः– आवेदन करने की अन्तिम तिथि 20 जुलाई 2025 निधारित है। आवेदन करने हेतु कोई भी शुल्क देय नही होगा। अनुमन्य सुविधायेः– चयनित लाभार्थी को ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान(आर सेटीज) के द्वारा निःशुल्क 13 दिवसीय उद्यम स्थापना एवं संचालन सम्बन्धी प्रशिक्षण। कृषि निवेशो (बीज, उर्वरक, एवं कीटनाशी) पर निर्गत किये जाने वाले लाइसेन्स शुल्क की प्रतिपूर्ति। केन्द्र परिसर किराया 1000 रू0 प्रतिमाह (केवल प्रथम वर्ष (12 माह) हेतु), एग्रीजंक्शन केन्द्र की स्थापना हेतु बैंक द्वारा स्वीकृत 05.00 लाख ऋण पर अग्रिम ब्याज अनुदान अधिकतम 60000 हजार रू0 (बैंक इण्डेड सब्सिडी के रूप में) की सहायता। बैंक ऋण स्वीकृत 5.00 लाख से कम होने की दशा में अग्रिम ब्याज अनुपातिक रूप से कम होगा। योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय उप कृषि निदेशक जौनपुर में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

सीएम पोर्टल पर हुई शिकायत, रामकोला सीएचसी पर दलालो का दबदबा कायम

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के रामकोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर दलालो के इशारे पर बाहर के मेडिकल स्टोर्स से दवाओ की खरीदारी व जांच की चल रहे खेल थमने का नाम नही ले रहा है। वजह है शासनादेश के विपरीत वर्षो से कुण्डली जमाये बैठे सीएचसी अधीक्षक डॉ. एसके विश्वकर्मा, जो खुद न सिर्फ बाहर की दवा लिखते है बल्कि एक प्रभावशाली दलाल भी पाल रखा है जो मेडिकल स्टोर्स से लगायत डायग्नोस्टिक सेंटर और अवैध हास्पिटलो से वसूली कर अपना और अपने साहब का तिजोरी भरता है। मीडिया द्वारा जनहित मे लगातार इस मुद्दे के उठाने के बावजूद विभाग–ए–जिम्मेदार की खामोशी के वजह से भ्रष्टाचार अन्वेषण एंव मानवाधिकार परिषद संस्था के सदस्य विष्णु कश्यप ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराये गये शिकायत में विष्णु कश्यप ने लिखा है कि जनपद के रामकोला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तकरीबन एक दशक से सीएचसी अधीक्षक डॉ. एसके विश्वकर्मा कुण्डली जमाये बैठे है।इस सीएचसी से इनका मोह भंग न होने के पीछे इनके द्वारा बाहर के लिखी गयी दवाओ और जांच से प्रति माह प्राप्त होने वाले लाखो रुपये, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिवो मे मोटी कमीशन और अवैध हास्पिटलो व डायग्नोस्टिक संेटरो से होने वाली मोटी कमाई बतायी जा रही। पत्र में आगे लिखा है कि स्थानीय लोगो का कहना है कि सीएचसी अधीक्षक डॉ. विश्वकर्मा के संरक्षण में फलफूल रहे दलाल करन यादव जो कहने के लिए तो एमवाईसी का ड्राइवर है लेकिन वह चालक कम, बल्कि यहां के अधीक्षक के लिए नोट छापने वाले मशीन से कम नही है। यही वजह है कि करन के मर्जी के बिना सीएचसी पर न तो कोई पत्ता हिलता है और न ही सीएचसी प्रभारी डॉ विश्वकर्मा, करन के इच्छा के विपरीत जाकर कोई कार्य करते है। स्थानीय लोगो के इस आरोप मे कितनी सच्चाई है इसके जरूरी है निष्पक्ष जांच, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी स्पष्ट हो सके।

जिला जज डीएम एसपी ने जेल का किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ,पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ के द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैरकों की सघन तलाशी दी गई, तलाशी के दौरान कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। जेल अस्पताल में जाकर बंदियों के स्वास्थ्य संबंधित जानकारी प्राप्त की गई। पाक शाला में जाकर बंदियों को दिए जाने वाले भोजन के गुणवत्ता के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० लक्ष्मी सिंह, जेलर सहित अन्य उपस्थित रहे।

कीटनाशी रसायन की कैश रसीदध्कैशमेमो अवश्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे : विवेक कुमार

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिला कृषि रक्षा अधिकारी विवेक कुमार द्वारा जनपद के समस्त थोकध्फुटकर कीटनाशी विक्रेताओ को निर्देशित किया है कि कृषको में क्रयधविक्रय समस्त प्रकार के कीटनाशी रसायन की कैश रसीदध्कैशमेमो अवश्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे। यदि जिला कृषि रक्षा अधिकारी अथवा किसी भी कीटनाशी निरीक्षक या उच्चाधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण के समय आपके प्रतिष्ठान के निरीक्षण के समय कृषको में वितरित किये जाने वाले रसायनधनिवेश की कैश रसीदध्कैशमेमो उपलब्ध नही कराया गया तो विक्रेता के विरूद्ध कीटनाशी अधिनियम 1968 व नियमावली 1971 सुसंगत धाराओं में वैधानिक कार्यवाही प्रारंभ कर दी जाएगी, जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित कीटनाशी रसायन विक्रेता का होगा। साथ ही साथ जनपद के समस्त किसान भाइयो से अपील है

एडवांस्ड क्रेडिट प्रोग्राम लॉन्च करने वाली उत्तर प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी बनी सीयू–यूपी, छात्रों को मिलेगा 60 हाइडिमांड कोर्सेंज का ऑनलाइन व निशुल्क लाभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

उन्नाव। शिक्षा के क्षेत्र में एक नया कीर्तीमान रचते हुए चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश ने एडवांस्ड क्रेडिट प्रोग्राम की शुरुआत की है। सीयू यूपी ये प्रोग्राम्स लांच करने वाली यूपी की पहली यूनिवर्सिटी भी बन गई है। श्एडवांस्ड क्रेडिट प्रोग्रामश एक अनोखी पहल है जिसके तहत छात्र अपनी औपचारिक डिग्री शुरू करने से पहले ही ग्लोबली मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट्स और इंडस्ट्री–रेडी स्किल्स प्राप्त कर सकते हैं गौरतलब है की नई शिक्षा नीति के तहत उत्तर प्रदेश के छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सीयू यूपी यह सभी कोर्स पूरी तरह से निःशुल्क ऑफर कर रही हैं। एसीपी से जो क्रेडिट प्वाइंट्स आपके क्रेडिट बैंक में जमा होते हैं, वह आप कभी भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसे जब छात्र एक कोर्स से दूसरे कोर्स में जाते हैं या किसी एक स्ट्रीम से दूसरी स्ट्रीम में बदलाव करते हैं तो ऐसे में एडवांस क्रेडिट प्रोग्राम उनके लिए काफी उपयोगी साबित होता है। इस डिजिटल प्रणाली के अंतर्गत छात्र जिन विषयों या कोर्सेज में पहले से क्रेडिट अर्जित कर चुके हैं, वे उन्हें दूसरे कोर्स या संस्थान में ट्रांसफर कर सकते हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि छात्रों को वही विषय दोबारा नहीं पढ़ने पड़ते, जिससे उनकी पढ़ाई का समय और मेहनत दोनों बचते हैं। इसके अलावा यदि कोई छात्र पढ़ाई के दौरान किसी कारणवश कोर्स बीच में छोड़ देता है, तो वह बाद में उसी या किसी अन्य कोर्स में दोबारा प्रवेश लेकर अपने पहले से अर्जित क्रेडिट्स का लाभ उठा सकता है। यह सुविधा मल्टीपल एंट्री और एग्जिट विकल्पों को सरल बनाती है। इसके अलावा, यदि छात्र इंटरडिसिप्लिनरी लर्निंग की ओर बढ़ना चाहते हैं जैसे यूजी में साइंस पढ़ने के बाद पीजी में डेटा साइंस या मैनेजमेंट भी पढ़ना चाहते हैं तो भी पहले से लिए गए क्रेडिट्स उनके लिए मान्य हो सकते हैं। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के एडवांस्ड क्रेडिट प्रोग्राम के अंतर्गत कुल 60 इंडस्ट्री–कोर्सेज ऑफर किए गए हैं। इंजीनियरिंग क्लस्टर में सबसे अधिक 23 कोर्स शामिल हैं, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईओटी , रोबोटिक्स और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे विषय शामिल हैं। मैनेजमेंट क्लस्टर में 15 कोर्सेज दिए गए हैं जैसे एयरलाइन ऑपरेशन्स, बिजनेस एनालिटिक्स और पर्सनल ब्रांडिंग। लिबरल आर्ट्स क्लस्टर में 6 क्रिएटिव और स्किल–बिल्डिंग कोर्सेज हैं, जिनमें आर्किटेक्चरल डिजाइन, जर्नलिज्म और विजुअल स्टोरीटेलिंग शामिल हैं। सभी विषयों के छात्रों के लिए कॉमन टू ऑल क्लस्टर में 8 बेसिक कोर्सेज हैं जैसे कम्युनिकेशन स्किल्स, फाइनेंशियल लिटरेसी और एंटरप्रेन्योरशिप। इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कैटेगरी में 5 इंटरडिसिप्लिनरी कोर्सेज हैं, जबकि इंजीनियरिंग,मैनेजमेंट,साइंस में 1 इंटीग्रेटेड कोर्स शामिल है। वहीं साइंसेज क्लस्टर में 2 फोकस्ड प्रोग्राम्स हैं, जिनमें बायोइनफॉर्मेटिक्स और पर्यावरणीय स्थिरता प्रमुख हैं। प्रत्येक क्लस्टर को ग्लोबल इंडस्ट्री की आवश्यकताओं के अनुरूप डिजाइन किया गया है। इन प्रोग्राम की खासियत यह है की छात्र अपने घर बैठे ऑनलाइन इसको पढ़ सकते हैं। वहीं सीयू यूपी द्वारा ऑफर किए जाए रहे प्रोग्राम्स में इंडस्ट्री के सर्टीफिक्टेस भी छात्रों को मिलेंगे, दरअसल एसएएस, इंटेल डिजिटल रेडिनेस, ऑल्टियम, जिरोधा वार्सिटी,लाइफ सेन्ज, व द ऑस्ट्रेलिया टुडे जैसे टॉप ग्लोबल कंपनियां भी प्रोग्राम में शामिल हैं। एडवांस्ड क्रेडिट प्रोग्राम का उद्देश्य है कि छात्र अपने करियर की तैयारी पहले से ही शुरू कर सकें, ताकि जब वे यूनिवर्सिटी को जॉइन करें, तो वे सिर्फ पढ़ाई के लिए नहीं बल्कि प्रोफेशनल सफलता के लिए भी तैयार हों। यह प्रोग्राम उन कोर्सेज को भी शामिल करता है जिनकी मार्केट में बहुत ज्यादा डिमांड है और जिनकी सामान्यतः फीस हजारों से लेकर लाखों रुपए तक होती है। जैसे कि डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी, फाइनेंशियल लिटरेसी, पर्सनल ब्रांडिंग और एंटरप्रेन्योरशिप जैसे उच्च गुणवत्ता वाले कोर्स, जिन्हें सीयू यूपी अपने छात्रों को बिना कोई शुल्क लिए उपलब्ध करा रहा है। एसीपी छात्रों को उनके पैशन और प्रोफेशन के बीच समनवय बनाने में मदद करता है। इसमें शामिल सभी कोर्स इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार तैयार किए गए हैं ताकि छात्र सिर्फ किताबों की पढ़ाई तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें असली दुनिया में काम करने योग्य अनुभव भी मिले। ये सर्टिफिकेट्स न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में मान्यता प्राप्त हैं, जो छात्र के आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं और उन्हें जॉब मार्केट में दूसरों से आगे रखते हैं। यह प्रोग्राम खास तौर पर इस तरह डिजाइन किया गया है कि चाहे छात्र किसी भी विषय या तकनीकी पृष्ठभूमि से क्यों न हों, वे इसमें भाग ले सकते हैं। ऑनलाइन फॉर्मेट के चलते छात्र अपनी सुविधा के अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं,।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।